आज का सुविचार

अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे तुम खो चुके हो!

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

Freedom Of Speech

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है।

संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 34 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 27 सितम्बर 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

दुर्घटनाओं से संबंधित भारतीय न्याय संहिता में क्या प्रावधान है जानिए/legal advice....

वर्तमान समय में सड़क दुर्घटनाएं एक गम्भीर समस्या होती जा रही है लोग वाहन को चलाते समय स्वयं को पता नहीं क्या समझने लगते है और आप व्यक्ति को टक्कर मारकर भाग जाते है बड़े वाहन वाले छोटे वाहन वालो को दुर्घटना ग्रस्त कर देते है बहुत से लोगों की दुर्घटना से मौत भी हो जाती है इसी को ध्यान मे रखते हुए भारत सरकार द्वारा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 106 (2) में नया प्रावधान किया गया है अगर कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति को टक्कर मारकर भाग जाता है तो उसका यह अपराध संज्ञेय एवं अजमानतीय होगा एवं अधिकतम 10 वर्ष की कारावास भी होगी लेकिन वाहन चालकों के विरोधाभास के कारण अभी इस कानून को लागू नहीं किया गया है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वाहन चालकों पर पर कानून कोई कार्यवाही नहीं करेगा भारतीय न्याय संहिता में मे तेज वाहन चालक के खिलाफ क्या कार्यवाही हो सकतीं है जानिए ।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)
9827737665

1. **भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 281** - अगर कोई व्यक्ति सार्वजानिक स्थान या लोक सड़क पर तेज गति से वाहन चलाता है या कोई घोड़ा गाड़ी, बैल गाड़ी हाकता है तब उसका यह अपराध संज्ञेय होगा अर्थात पुलिस थाने में उस व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज होगी एवं ऐसे व्यक्ति अधिकतम छः माह तक जेल की कारावास होगी या एक हजार रुपये जुर्माना या दोनों लग सकते हैं।

2. **भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 125**- अगर कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर तेज गति से वाहन चलाता है तब उसके खिलाफ क्वहस् की धारा 281 के अंतर्गत कार्यवाही होगी अगर उसके तेज गति से वाहन चलाने के कारण मानव संकट उत्पन्न होता है अर्थात लगता है की तेज गति वाहन के कारण किसी को समान्य चोट या गंभीर चोट हो सकती है तब ऐसे वाहन चालक के खिलाफ उक्त धारा के अंतर्गत कार्यवाही होगी एवं यह भी संज्ञेय अपराध है पुलिस अधिकारी इस अपराध में तुरत एफआईआर दर्ज कर ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही कर सकता है एवं कार्यवाही कर थाने से उसे ज़मानत पर छोड़ सकता है इस अपराध के लिए तीन माह की कारावास या 2500/- रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

3. **भारतीय न्याय संहिता ,2023 की धारा 125(क)**- अगर तेल गति से वाहन चलते समय कोई वाहन चालक किसी व्यक्ति को छोटी सी समान्य चोट कर देता है तब उस चालक का यह अपराध संज्ञेय होगा अर्थात? पुलिस अधिकारी द्वारा तुरंत एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी एवं आरोपी को थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया जा सकता है एवं अपराधी को अधिकतम 06 माह की कारावास या 5000/- रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

4. **भारतीय न्याय संहिता ,2023 की धारा 125(ख)** - अगर तेल गति से वाहन चलते समय कोई वाहन चालक किसी व्यक्ति को गंभीर चोट कर देता है तब उस चालक का यह अपराध संज्ञेय होगा अर्थात? पुलिस अधिकारी द्वारा तुरंत एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी एवं आरोपी को थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया जा सकता है एवं अपराधी को अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या दस हजार रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

5. **भारतीय न्याय संहिता ,2023 की धारा 106** - अगर तेल गति से वाहन या उपेक्षा पूर्वक वाहन चलते समय कोई वाहन चालक किसी व्यक्ति की मृत्यु कर देता है तब उस चालक का यह अपराध संज्ञेय होगा अर्थात पुलिस अधिकारी द्वारा तुरंत एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी एवं आरोपी को थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया जा सकता है एवं अपराधी को अधिकतम पाँच वर्ष तक कारावास या जुर्माना जो न्यायालय उचित समझे लगा सकता है।

खाद-बीज की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं होगीः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

खाद-बीज की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में खाद-बीज की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कालाबाजारी करते पाया जाए उस पर कड़ी से कड़ी कार्यवाई सुनिश्चित की जाए। रबी सीजन में किसानों को खाद-बीज की कमी नहीं रहे। इसके लिए अभी से ही खाद-बीज के भण्डारण और आपूर्ति करने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में खाद-बीज की उपलब्धता और वितरण की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मोहम्मद सुलेमान तथा अपर मुख्य सचिव किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री अशोक वर्णवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर कृषि विकास अधिकारियों को 15 अक्टूबर तक प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फसलों के बोने के क्षेत्र चिन्हित कर आवश्यकतानुरूप खाद-बीज की व्यवस्था करें। अक्टूबर-नवम्बर माह में खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे, जिससे किसानों को कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जन-प्रतिनिधियों एवं जिलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से खाद-बीज की उपलब्धता के संबंध में चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री के प्रयास से डीएपी का आवंटन बढ़ा

बैठक में जाकनारी दी गई कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से भारत सरकार द्वारा डीएपी का आवंटन बढाकर 8 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है, जबकि रबी 2024-25 के लिए 6 लाख मीट्रिक टन डीएपी के आवंटन की सहमति दी गई थी। डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग के लिए जिलों को निर्देश जारी किए गए, जिससे खरीफ 2024 में डीएपी की कमी परिलक्षित नहीं हुई। डीएपी की कमी की पूर्ति के लिए प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं एसएसपी उपलब्ध है।

विन्ध्य में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएँः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

23 अक्टूबर को प्रस्तावित रीजनल इन्वेस्टर्स कॉनक्लेव की तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विन्ध्य में प्राकृतिक संसाधन भरपूर हैं। यहाँ अधोसंरचना का तेजी से विकास हुआ है। विन्ध्य में औद्योगिक विकास की प्रबल संभावनाएं हैं। 23 अक्टूबर को प्रस्तावित रीजनल इन्वेस्टर्स कॉनक्लेव से पूरे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कमिश्नर कार्यालय सभागार रीवा में आगामी माह में प्रस्तावित रीजनल इन्वेस्टर्स कॉनक्लेव की तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा और शहडोल संभाग के सभी जिलों में उद्योगों की स्थापना के लिए पर्याप्त जमीन, पानी की उपलब्धता और पर्याप्त संख्या में श्रमिक उपलब्ध हैं। यहाँ निवेश करने वाले उद्यमियों को हर संभव सहायता दी जाएगी। यहाँ के वनों में हजारों औषधीय पौधे उपलब्ध हैं। वनोपज संग्रहण समितियों के माध्यम से इनका संग्रहण किया जा रहा है।बाणसागर बांध का निर्माण पूरा होने तथा संभाग भर में नहरों से सिंचाई की सुविधा मिलने से कृषि में तेजी से विकास हुआ है।

कृषि आधारित उद्योगों की अपार संभावना है। उन्होंने कहा कि औषधीय पौधों की खेती और उद्यानिकी फसलों से विन्ध्य के किसानों का भाग्य चमकेगा। कमिश्नर श्री बीएस जामोद ने कहा कि इन्वेस्टर्स मीट के लिए लगातार तैयारियाँ की जा रही हैं। सभी जिलों में औद्योगिक विकास केन्द्रों के निर्माण के लिए लगभग एक हजार हेक्टेयर जमीन सुरक्षित कर ली गई है। औद्योगिक विकास के लिए पाँच हजार हेक्टेयर जमीन का भूमि बैंक बनाया जा रहा है। संभाग में पाँच नए औद्योगिक केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। एमपीडीआईसी के कार्यकारी निदेशक श्री यू.के. तिवारी ने इन्वेस्टर्स मीट की तैयारियों की जानकारी दी।

पर्यटन की अनंत संभावनाओं का प्रदेश है मध्यप्रदेश : धर्मेन्द्र सिंह लोधी

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यटन और सांस्कृतिक अभ्युदय का नया इतिहास लिखा जा रहा है। पौराणिक काल से ही देश में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सनातन परम्परा के गौरव को संरक्षित करने और सहेजने की परम्परा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सांस्कृतिक अभ्युदय के संकल्प को पूरा करने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। भारत में पर्यटन को एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र के रूप में देखा गया है। उनका मानना है कि पर्यटन न केवल आर्थिक लाभ प्रदान करता है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का एक सशक्त साधन है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण से पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिली है। भारत के इतिहास में विभिन्न देशों की खोज, वास्तुकला, तकनीक, साहित्य और कृषि आदि क्षेत्रों में वैचारिक आदान-प्रदान का केंद्र बिंदु पर्यटन भी रहा है। पर्यटन ने वैश्विक शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई निभाई है। पर्यटन लोगों को विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं से रूबरू कराता है, जिससे सहिष्णुता और समझदारी बढ़ती है। जब लोग एक-दूसरे के जीवन और रीति-रिवाजों को समझते हैं, तो उनके बीच संघर्ष की संभावना कम हो जाती है। पर्यटन के माध्यम से लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता है।

भारिया जनजातीय समुदाय के संवाद कार्यक्रम को राज्यपाल श्री पटेल ने किया संबोधित

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ग्राम सिधौली में आयोजित भारिया जनजातीय समुदाय के संवाद कार्यक्रम संबोधित करते हुये कहा कि प्रत्येक जनजातीय व्यक्ति के विकास के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री जन-मन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं के लाभ से लाभान्वित करने का कार्य सम्पूर्ण देश के साथ मध्यप्रदेश में भी अभियान के रूप से चलाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा योजना से मध्यप्रदेश की बैगा, भारिया एवं सहरिया विशेष पिछड़ी जनजातीय बसाहटों में सड़क, बिजली, पानी, स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त जनजातीय परिवारों को सभी मूलभूत योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि योजना के लाभ लेकर विशेष पिछड़ी जनजातीय वर्ग के व्यक्तियों का जीवन सरल हो सकेगा तथा योजना का लाभ लेकर भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकेगें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए

व्यापक जागरूकता आवश्यक है। सिकल सेल एनीमिया के प्रभावी रोकथाम के लिए प्रबंधन और इलाज में हर समुदाय और व्यक्ति को सहभागी बन कर मानवता की सेवा करनी होगी। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि केन्द्र सरकार ने वर्ष 2025 तक भारत को टीबी और वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इसे पूरा करने के लिए हम सभी को आगे आना होगा और सरकार का सहयोग करना होगा। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया अनुवांशिक रोग है। इसके उन्मूलन के लिए हर परिवार में जाकर कॉउंसलिंग एवं स्क्रीनिंग करना होगा। साथ ही आँगनवाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं की जाँच करते समय उनके परिवार की बीमारी का इतिहास भी पता करना होगा। उन्होंने कहा कि आँगनवाड़ी केन्द्र, प्राथमिक, माध्यमिक, हायर सेकेंडरी स्कूल और कॉलेजों में जाकर बच्चों की भी समय-समय पर सिकल सेल एनीमिया की जाँच करनी होगी। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और नीतिगत प्रावधानों की जानकारी भी दी।

प्रत्येक बच्चें को करें शिक्षित

राज्यपाल श्री पटेल ने उपस्थित लोगों से अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से शिक्षित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति शिक्षित होकर ही समाज में आगे बढ़ सकता हैं। उन्होंने कहा कि अब पैसो की कमी शिक्षा की राह में बाधा नहीं हैं, छात्र-छात्राओं की शिक्षा के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार अनेक योजना संचालित कर रही हैं। जिनका लाभ लेकर कोई भी व्यक्ति बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकता हैं।

शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा में हिंदी दिवस मनाया गया

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा में दिनांक 14.9.2024 को हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य ने मां सरस्वती की प्रतिमा की समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर आरंभ किया इस कार्यक्रम में पुस्तकालय अधिकारी श्री सत्येंद्र कुमार आठिया, कीड़ा अधिकारी श्री पंकज आर्य द्वारा अपने-अपने वक्तव्य रखे गए। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पार्वती व्याघ्रे द्वारा हिंदी भाषा में करियर के अवसर पर प्रकाश डालकर अनुवादक के पद पर नौकरी के अवसर को समझाया एवं हिंदी भाषा के शुद्ध वाचन लेखन की बात रखी। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ के साथ विद्यार्थियों ने भी विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने कौशल को निखारा हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देकर समझ स्टाफ और विद्यार्थी की उपस्थिति सराहनीय रही मंच संचालन श्री ओपी वर्मा द्वारा किया गया। सफल कार्यक्रम का आभार डॉ.पार्वती व्याघ्रे ने किया।।

दो दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री ने पीपुल्स ग्रुप को प्रशस्ति पत्र से किया सम्मानित

ब्यूरो हेड अनूपपुर
अनूप गुप्ता

अनूपपुर/ बिजुरी। मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल एवं पीपुल्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहित पंडित के नेतृत्व में दो दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कोयलांचल नगरी बिजुरी स्थित सरास्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिसर में किया गया। शिविर मे भोपाल से पहुंचे 70 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निशुल्क परामर्श एवं लगभग 180 पेरामेडिकल स्टाफ द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। शिविर में दो दिन मिलाकर लगभग 11974 लोगो का ओपीडी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें लगभग 2032, ईसीजी, 849 सोनोग्राफी, 2966 आर.बी.एस, 1441 डिजिटल एक्स रे, 8518 खून की जांच एवं निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर मे लगभग 411 गंभीर मरीजों को चिन्हित भी किया गया। जिन्हे आगे के उपचार के लिए भोपाल निःशुल्क भेजा गया एवं सभी का उपचार उपरांत उन्हे निःशुल्क वापस बिजुरी लाया भी जायेगा।

शिविर में मुख्य रूप से इनकी रही उपस्थिति- नगर बिजुरी के सरास्वती शिशु मंदिर प्रांगण में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर में मुख्य रूप से पीपुल्स हॉस्पिटल के कार्यकारी निदेशक गुंजन जैन, कार्यकारी सहायक कार्तिकेय सिंह, एच.ओ.डी. ओ.एम एफ.एस. डॉ. साजी थॉमस, सहित डॉ. दिनेश मेखले, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. अनुश्री राजे, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. ऋतु गुप्ता, डॉ. रफत खान, डॉ. अरविन्द राठौड़, डॉ. मो. हसीब, डॉ शिवशंकर बड़ोले, डॉ. अतिन बिन्दल वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद थे।

शिविर में निःशुल्क दवाओं के साथ निःशुल्क भोजन का भी किया गया वितरण-

आयोजित दो दिवसीय शिविर के दौरान निःशुल्क दवा वितरण और निःशुल्क भोजन वितरण भी किया गया। अंततः कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल द्वारा पीपुल्स ग्रुप को प्रशस्ति पत्र भेट कर सम्मानित किया गया। **मंत्री के प्रयासों कि हो रही सराहना-** प्रदेश सरकार के कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल के अथक प्रयासों बाद नगर बिजुरी में व्यापक स्तर पर, वृहद पैमाने में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन होने से लगभग 11974 मरीज लाभान्वित हुए, जिसके लिए नगरक्षेत्र ही नही अपितु समूचे अंचल क्षेत्रों में भी मंत्री जायसवाल कि सराहना लोगों द्वारा की जा रही है।

क्रेशर संचालक के बेटे पर चली गोली! पेट में फंसी, हालत गंभीर, किसी ने चलाई या खुद मारी, उठे सवाल

शहडोल रोहित तिवारी

युवक को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज लाया गया। युवक के पेट में गोली लगने की पुष्टि हुई है। हालांकि, उसे गोली कैसे लगी, इस बात को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। शहडोल जिले में एक युवक को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज लाया गया है, जिसके पेट में गोली लगी हुई है। उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक को किसी ने गोली मारी है या उसने खुद पर गोली चलाई है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, गोली युवक के पेट में फंसी हुई है। उसे गुपचुप तरीके से उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया है। इस घटना पर पुलिस ने अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। इससे स्थिति और भी संदिग्ध हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना अमलाई थाना क्षेत्र के ग्राम अमलाई की है। वहां के निवासी और क्रशर संचालक गणेश सिंह के 28 वर्षीय पुत्र ऋषभ सिंह को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं। पुलिस इस मामले से जुड़ी कोई जानकारी साझा करने के लिए तैयार नहीं है। इससे इस घटना के पीछे की सच्चाई और कारण अब तक अज्ञात बने हुए हैं। घटना को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी यह सामने आई है कि ऋषभ सिंह लंबे समय से किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। बताया जा रहा है कि बीमारी से परेशान होकर ऋषभ ने अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक से खुद पर गोली चला दी। इस आत्मघाती कदम के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। जब इस संबंध में अमलाई थाना प्रभारी जेपी शर्मा से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक उनके पास कोई सूचना नहीं आई है। इस बयान से रहस्य और गहरा गया है। सवाल यह है कि जब गोली चली है तो अस्पताल प्रबंधन ने अब तक पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी और गुपचुप तरीके से इलाज क्यों किया जा रहा है?

दोस्तों के साथ पार्टी कर देर रात घर पहुंचा बेटा, पिता ने लगाई डांट तो नाराज होकर लगा ली फांसी

शहडोल रोहित तिवारी

जैतपुर थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड ने बताया कि पिता की डांस से नाराज होकर बेटे के फांसी लगाने की बात सामने आ रही है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। दोस्तों के साथ पार्टी कर शराब के नशे में बेटा घर पहुंचा तो पिता ने उसे डांट लगा दी, जिससे नाराज होकर उसने अपने कमरे का दरवाजा बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। यह घटना जैतपुर के कमता गांव की है, मामला मंगलवार की सुबह सामने आया है। रात में पत्नी और बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे, मृतक अलग एक कमरे में चला गया और दरवाजा बंद कर उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया है। बताया गया कि मृतक विंध्यवासिनी यादव पिता रामा यादव उम्र 42 वर्ष निवासी कमता सोमवार की देर रात घर पहुंचा, इस दौरान वह नशे की हालत में था। बेटे को नशे में देखकर पिता ने उसे डांट फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि बीवी बच्चे घर में तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं और तुम शराब के नशे में घर आ रहे हो, इतनी रात तक तुम कहां थे। इसके बाद वह दूसरे कमरे में जाकर सो गया, मंगलवार की सुबह बच्चों ने उसे उठाने की कोशिश की लेकिन, अंदर से कोई भी आहट नहीं मिली। जिसके बाद उसकी पत्नी और पिता ने भी दरवाज़ा खुलवाने की कोशिश की, लेकिन गेट नहीं खुला। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर देखा तो वह फांसी के फंदे में लटका हुआ था। जिसके बाद घर में मातम पसर गया है । मामले की जानकारी पुलिस को दी गई जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच शुरू की है। जैतपुर थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड ने बताया कि पिता की डांट से नाराज होकर बेटे के फांसी लगाने की बात सामने आ रही है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

घरेलू विवाद में पति ने पत्नी पर पेट्रोल डाल कर लगाई आग

जलते हुऐ घर से दौड़ी महिला कूदी तालाब में, लोगों ने पहुंचाया अस्पताल

शहडोल। रोहित तिवारी

शहडोल। जैतपुर थाना क्षेत्र के फुलवारी गांव में घरेलू बात को लेकर पति पत्नी का विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि नाराज पति ने पत्नी पर पेट्रोल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया। पत्नी ने आग लगने के बाद घर के सामने स्थित तालाब में कूद कर अपना बचाव किया। तभी स्थानीय लोगों ने इस घटना को देख मौके पर दौड़े और तालाब से अधजली महिला को बाहर निकल कर नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया है। हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया है। बताया गया कि मोना सिंह 35 वर्ष पति नोहर सिंह फुलवारी गांव में रहते हैं।पति-पत्नी का विवाद घरेलू बात को लेकर हुआ था, तभी पति नोहर ने अपनी पत्नी पर घर के अंदर पेट्रोल डालकर आग लगा दी,जिस दौरान पत्नी पर पति ने पेट्रोल डालकर आग लगाई उस समय पति-पत्नी ही घर में मौजूद थे,महिला ने अपने बचाव के लिए चीखा चिल्लाया, लेकिन आसपास कोई घर मौजूद न होने की वजह से उसे बचाने कोई भी आगे नहीं आ सका। आग लगने के बाद महिला ने अपने बचाव के लिए घर से दौड़ी लगा दी, और घर के सामने स्थित एक तालाब में कूद गई। घटना दोपहर 3 बजे की है, रास्ते से गुजर रहे लोगों ने आग जलती हुई महिला को तालाब में कूदता देख, लोगों ने मौके पर दौड़ लगा दी। और तालाब से जली हुई महिला को बाहर निकला और नजदीकी अस्पताल ले जाकर भर्ती करवाया है। महिला बुरी तरीके से झुलस गई थी जिसकी वजह से डॉक्टर ने उसे शहडोल रेफर किया और शहडोल के डॉक्टर ने छत्तीसगढ़ के भिलाई में उसे रेफर कर दिया है। जहां महिला जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रही है। थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड ने बताया कि इस मामले में महिला के मायके पक्ष ने पुलिस से शिकायत की है, और अस्पताल से एक तहरीर भी थाने आई है । जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पति पर हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है,महिला की हालत गंभीर है जिसका छत्तीसगढ़ के भिलाई में उपचार चल रहा है।

श्री कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय शहडोल में रात्रि में भी मिलेगी डायलिसिस की सुविधा

शहडोल। श्री कुशाभाऊ ठाकरे जिला अस्पताल शहडोल में मरीजों की सुविधाओं के लिए रात्रि के समय भी डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सिविल सर्जन जिला अस्पताल शहडोल डॉ.जी.एस. परिहार ने बताया कि गौरतलब है कि जिला चिकित्सालय, शहडोल मे तीन शिफ्टों में मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा था और शासन के निर्देशानुसार आयुष्मान, बी.पी.एल. मरीजों का निःशुल्क तथा ए.पी.एल. मरीजों का 500 रूपये रोगी कल्याण समिति में जमा कराने उपरांत डायलिसिस की जाती है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में 15 वर्षीय वृद्ध सफेद बाघिन रिद्धि' की मृत्यु कुछ दिनों से थी बीमार

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल की लगभग 15 वर्षीय सफेद बाघिन रिद्धि की मृत्यु हो गई । आदान-प्रदान योजना अंतर्गत सफेद बाघिन रिद्धि को 28 दिसंबर, 2013 को इंदौर जू से वन विहार लाया गया था। उस समय इसकी उम्र लगभग 4 वर्ष थी। वर्तमान में सफेद बाघिन की उम्र लगभग 15 वर्ष हो चुकी थी। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में सफेद बाघिन को पर्यटकों के दर्शनार्थ डिस्प्ले बाड़े में रखा गया था। विगत दो दिवस से वृद्ध सफेद बाघिन रिद्धि ने अपना नियमित भोजन नहीं लिया ऐसा वह सामान्य रूप से अक्सर करती रही है। कल 18 सितम्बर, 2024 को वह अपने हाउसिंग में सामान्य ही थी, लेकिन आज प्रातः लगभग 7 बजे अपने हाउसिंग में निश्चेत अवस्था में पाई गई। प्रातः ही वन्य-प्राणी विकित्सक वन विहार द्वारा इसका परीक्षण किया जाकर इसे मृत घोषित किया गया। मृत वृद्ध सफेद बाघिन का पोस्टमार्टम वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के वन्य-प्राणी चिकित्सकों वन विहार एवं वन्य-प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी सहायक वन्य-प्राणी चिकित्सकों वाइल्ड लाइफ एसओएस वन विहार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण वृद्धावस्था के कारण आंतरिक अंगो का काम न करना पाया गया। मृत सफेद बाघिन का सेम्पल एकत्रित कर परीक्षण के लिये स्कूल आफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक हैल्थ जबलपुर भेजे गये हैं। पोस्टमार्टम उपरांत मृत बाघिन का नियमानुसार वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन संरक्षक भोपाल वृत भोपाल, संचालक वन विहार एवं अन्य अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति में दाह संस्कार किया गया।

किसी का भी व्हाट्सप् एकाउंट हो सकता है हैक रहें सावधान, किसी के साथ साझा ना करें ओटीपी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

व्हाट्सप् स्कैमर के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म है वे कई तरह से यहाँ लोगों को टारगेट कर सकते हैं। ऐसे ही एक तरीके के बारे में आपको बतायेंगे । व्हाट्सप् पर साइबर ठगी का एक तरीका सोशल् इंजीनियरिंग है। हैकर इसके लिए सबसे पहले आपके मोबाइल नम्बर से व्हाट्सप् पर रजिस्टर करते हैं । इसके लिए उन्हे केवल आपके नम्बर की जरूरत होती है । जैसे ही साइबर ठग व्हाट्सप् पर लॉगइन करेंगे वैसे ही रजिस्टर मोबाइल नम्बर पर एक वेरिफिकेशन कोड आता है हैकर सिर्फ किसी तरह से कोड प्राप्त करने की कोशिश करेंगे वेरिफिकेशन कोड को पाने के लिए हैकर आपको अपनी बातों में फसाने की कोशिश करेंगे । मसलन पहले वो आपको काल करेंगे । हो सकता है। वो बैंक या टेलिकॉम सर्विस प्रोवाइडर का रेप्रेसेंटिटिव बनकर आपसे बात करें । इसके बाद वो किसी तरह से वेरिफिकेशन कोड प्राप्त करेंगे । यदि आपने कोड दे दिया तो उन्हें आपके एकाउंट का एक्सेस मिल जायेगा और आपका व्हाट्सप् एकाउंट हैक हो जायेगा । इस प्रकार के फ्रॉड से बचने के लिए अगर कभी भी आपको व्हाट्सप् वेरिफिकेशन कोड के नाम से कोई एस एम एस आता है तो उसे किसी के साथ साझा ना करें । अन्यथा साइबर ठग एक बार आपका एकाउंट हैक करने के बाद इसका कई प्रकार से दुरूपयोग कर सकता है । इसलिए हमेशा सचेत रहिये। व औरों को भी इसके बारे में बताइये ।

मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी उत्सव-2024 का आयोजन एक ही जगह मिलेंगे विभिन्न राज्यों के खादी के उत्पाद

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल

प्रतिकात्मक चित्र

भोपाल में होने जा रहा है खादी उत्सव का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत बुनकरों एवं अन्य कारीगरों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग अंतर्गत आने वाले मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा हाट बाजार में खादी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जो यह 12 दिन तक चलेगा। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रबंध संचालक के अनुसार महात्मा गांधी की जयंती के अवसर एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अन्तर्गत खादी तथा ग्रामोद्योग के क्षेत्र में ग्रामीण अंचलों में कार्यरत बुनकरों एवं अन्य कारीगरों को सतत् रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा भोपाल हाट परिसर में 27 सितम्बर से 8 अक्टूबर 2024 तक खादी उत्सव-2024 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों द्वारा उत्पादित खादी एवं ग्रामोद्योग सामग्री एक ही परिसर में उपलब्ध रहेगी। हाट बाजार भोपाल में लगने वाले खादी उत्सव में खादी एवं ग्रामोद्योग के क्षेत्र में कार्यरत राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की लगभग 75 से 80 इकाइयां शामिल होंगी। इसमें मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली उत्तराखंड, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश की खादी ग्रामोद्योग एवं हैंडीक्राफ्ट की इकाइयों द्वारा स्टॉल लगाया जाएगा। प्रदर्शनी में प्रदेश एवं अन्य राज्यों की मलबरी सिल्क एवं मसलिन खादी की साड़ियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। साथ ही कपड़ा, शाल, सूट सहित समस्त प्रकार के खादी वस्त्र के रेडीमेड गारमेंट्स, लेडीज कुर्ते एवं ग्रामोद्योग में माटीकला की सामग्री जूट, बैतबांस, लकड़ी के फर्नीचर, चमड़े के बैग, बेल्ट, पर्स, अगरबत्ती, शैंपू, सेनेटाइजर, शुद्ध एवं प्राकृतिक मसाले, शहद, अचार, पापड़, आटा, बेसन एवं दलिया सहित विभिन्न सामग्रियां उपलब्ध रहेंगी। भोपाल हाट बाजार में आयोजित चरखा खादी उत्सव में मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा समस्त प्रकार के कबीरा खादी वस्त्रों पर ग्राहकों को विशेष छूट का लाभ दिया जाएगा। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रबंध संचालक ने 27 सितंबर से प्रारंभ होने वाले खादी उत्सव में बुनकर एवं कारीगरों को प्रोत्साहित करने एवं रोजगार उपलब्ध कराने के लिए खादी उत्सव में शामिल होने की अपील की है।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने दसवें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के भारत क्षेत्र सम्मेलन में सहभागिता कर विचार व्यक्त किये

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को संसद भवन, नई दिल्ली में आयोजित दसवें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के भारत क्षेत्र सम्मेलन में सहभागिता की और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में विधायिका की भूमिका विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की। राज्यसभा के उपसभापति हरवंश, राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष एवं विधासभाओं के प्रमुख सचिव भी उपस्थित थे। सम्मेलन में मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव ए.पी.सिंह एवं अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

सम्मेलन में अपने विचार रखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसद और विधानसभा लोकतांत्रिक व्यवस्था के आधार हैं। इसके साथ ही पंचायती राज संस्थाएं भी लोकतंत्र की बुनियाद रखती हैं। लेकिन पंचायती राज संस्थाएं भी संसद और विधानसभा के द्वारा बनाएं अधिनियमों से ही संचालित होती है। इसलिए लोकतंत्र का प्रकाश ऊपर से नीचे की ओर ही जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि सतत् व समावेशी विकास से लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विधायिका की भूमिका बहुत ही सकारात्मक और सशक्त् होना चाहिए। इससे राष्ट्र को लाभ मिलेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में भारत अग्रणी देश है और हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सभी राज्य सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं। संसद और विधानसभाओं की अपनी-अपनी भूमिका है, और दोनों लोकतंत्र को सशक्त करने का कार्य करती हैं। हमारी विधायिका ने सतत विकास लक्ष्यों को सदैव प्राथमिकता दी है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसद द्वारा जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के फलस्वरूप वहां अनुसूचित जाति-जनजाति को आरक्षण का लाभ प्राप्त हुआ है। इसी तरह संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा देश की पहली विधानसभा ने जिसने बलात्कार के दोषी को फांसी की सजा देने के लिए कानून में प्रावधान करने के साथ ही एसे मामलों को फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाने का की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि 2047 तक हमें यदि विकसित भारत बनाना है तो सभी राज्यों की विधायिकओं को भी सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

केन्द्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी इटारसी की अहिरवार समाज की बेटी महक अहिरवार शिक्षण के लिए जापान हेतु चयनित

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

इटारसी। नर्मदापुरम जिला को गौरवान्वित करने वाली अहिरवार समाज की होनहार बेटी जो कि प्रखर बुद्धि की प्रतिभा है। इटारसी आर्डेनेस फैक्ट्री के केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 में अध्ययनरत श्री रग्गूलाल अहिरवार की बेटी एवं श्री भूरेलाल अहिरवार की नातिन है। जो कि केन्द्रीय विद्यालय की छात्रा महक अहिरवार का चयन भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सकुरा साइंस एक्सचेंज प्रोग्राम में हुआ है। इस कार्यक्रम में होनहार बेटी महक अहिरवार नबम्बर माह में एक साप्ताह के लिए जापान जाकर वहां की ÷शिक्षण पद्धति एवं तकनीकी के बारे÷ जानकारी प्राप्त करेगी। यह एक पहला अवसर होगा कि जिले भर की अहिरवार समाज की बेटी अपनी प्रतिभा के

बलबूते न सिर्फ परिवार का नाम रोशन कर रही है, अपितु सम्पूर्ण समाज को गौरवान्वित करते हुए यह साबित कर रही है कि शिक्षा के माध्यम से हर वह मंजिल हासिल की जा सकती है। जिसकी कल्पना भी नही की जा सकती। महक की उपल्बधि पर विद्यालय प्राचार्य श्री मनीष तुली एवं शिक्षक - शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं दी है। बेटी महक अहिरवार की इस महान उपलब्धि पर फूपा मूलचन्द मेधोनिया वरिष्ठ पत्रकार ने अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिटिया को अनंत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के परिवार से श्रीमती गायत्री मेधोनिया, अमित मेधोनिया, श्रीमती शिवानी मेधोनिया एवं प्रियंका की ओर से एवं सभी सगे संबंधियों में श्री राधे लाल अहिरवार, संतोष अहिरवार, जसमन अहिरवार, समर्थ इत्यादि प्रिय जनों ने महक को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना की है।

बार बार बदले जा रहे जनपद सीईओ

जनपद पंचायत खैरलाजी मे बीते करीब दो बषो से लगातार मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बदला जा रहा है जहा पर वर्तमान चौथे जनपद सीईओ है जो अतिरिक्त पभार मे पदस्थ किये गये है ऐसे मै लगातार कार्यो की स्थिति पिछडते जा रही है तो वही अधिकारी कर्मचारी मनमर्जी के कार्य कर रहे है यह कार्यालय खुलने और बद होने का समय अधिकारी आने और जाने का समय कोई निश्चित नही है इसमे सबसे ज्यादा छात्र की जनता परेशान हो रही है क्योंकि जनपद से सर्वाधिक हितकारी मूलक कार्य संचालित किए जाते है जिस पर पभाव पडता नजर आ रहा है ऐसे मे जनपद के सदस्य व जनता के दारा लगातार उनके छेत मे आने वाले दो विधायक जिला कलेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी से गायान के माध्यम स्थाई जनपद सीईओ की मांग की जा चुकी है परतु उस पर आज तक कोई अमल नही हो पाया है जिसका कारण है कि जनपद पंचायत खैरलाजी आज भी अतिरिक्त पभार मे संचालित की जा रही है।

कुरवाई में बिगत दिनों कुछ जातिवादी संकीर्ण मानसिकता के लोगो ने डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर जी की प्रतिमा को खंडित किया उसके विरोध में भीम आर्मी/आजाद समाज पार्टी ने आज कुरवाई थाने का घेराव किया और प्रशासन के 15 दिन के आश्वासन के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया बाबासाहेब की प्रतिमा के साथ जिन लोगों ने ऐसा दुर्व्यवहार कुकृत्य किया उनकी जल्द से जल्द शिनाख्त करके गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए।

गब्बर सिंह- भीम आर्मी/आजाद समाज पार्टी म.प्र.

साथियों सभी को क्रांतिकारी जय भीम।

आज का विषय भारत में संविधान के 75 साल बाद भी समाज में समानता नहीं,कारण और निवारण चर्चा के लिए रखा गया है जोकि वास्तव में वहुत ही ज्वलंत मुद्दा होने के साथ-साथ बहुत ही चिंताजनक व निराशाजनक भी है।आज हम संविधान लागू होने के 75 वर्ष बाद समाज में असमानता की मौजूदगी के कारणों को तलाशने का प्रयास कर रहे हैं तो इसका कारण 75 साल पहले ही संविधान निर्माता डॉ बाबा साहेब अम्बेडकर ने संकेत करते हुए कह दिया था कि संविधान कितना भी अच्छा हो अगर वह गलत हाथों में चला जाए तो उससे आपेक्षित सफलता नहीं मिलेगी और यदि संविधान में कुछ कमी भी हो और उसको चलाने वाले अगर सही है तो वही कमी युक्त संविधान फायदेमंद साबित होगा।आज की प्रास्थिति में जब हम सामाजिक समानता यानी आपेक्षित सफलता को नहीं देखते हैं तो इसका पहला मतलब यही है कि संविधान गलत हाथों में चला गया है।

साथियों,इसमें कोई दो मत की बात नहीं है कि गुजश्ता 75 सालों में समानता को स्थापित करने के उद्देश्य से निर्मित हमारा संविधान, बेहतर होने के बावजूद चूंकि मनुवादी बेईमानों के हाथों में फंसा रहा इसीलिए आज समाज में समानता पूरी तरह से स्थापित नहीं हो सका है।

साथियों, अमेरिका में एक समय गोरे और कालों के बीच में भारी असमानता थी।इस असमानता को मिटाने के लिए वहां के कालों (उत्पीड़ितों)ने ही नहीं वरन बड़ी संख्या में गोरों (उत्पीड़कों)ने भी साथ मिलकर आंदोलन चलाया था जिसके परिणामस्वरूप आज वहां गोरों और कालों के बीच की असमानता खत्म हो गई है। लेकिन भारत में आज तक एक भी उच्च वर्ण का व्यक्ति निम्न वर्ण वालों की समानता की मांग के समर्थन में कभी भी सामने नहीं आया,यही कारण है कि आज संविधान के 75 वर्षों के बाद भी समाज में समानता का घोर अभाव दिखाई दे रहा है। इस असमानता को समाप्त करने के लिए भारत के पीड़ित वर्ग के जागरूक लोगों का योजनाबद्ध व संगठित प्रयास की कमी भी एक प्रमुख कारण है।हम आज भी बिखरे - बिखरे हैं ।रोज बहुजनों के नए -नए संगठनो के अस्तित्व में आने की वजह से भी समानता प्राप्ति का हमरा संघर्ष ढीला पड़ने लगा है। हम बहुजन अलग -अलग रहकर छोटे-छोटे समूहों में अपने दुश्मनों पर आक्रमण करेंगे तो इससे हम समानता प्राप्ति केअपने लक्ष्य को कभी हासिल नहीं कर सकते। अतः अब वक्त आ गया हैं कि हमें राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर एक मजबूत संगठन बनाकर समानता की प्राप्ति के लिए प्रखर व ईमानदार प्रयास करना ही वक्त की मांग है।

हरीश पांडल
विचार क्रांति

संगम नगरी में कवि संगम त्रिपाठी का सम्मान

प्रयागराज – अवध साहित्य अकादमी पत्रकार भवन गॅधियांव करछना प्रयागराज ने कवि संगम त्रिपाठी को साहित्य विभूति सम्मान 2024 से सम्मानित किया। सम्मान समारोह 21 सितंबर 2024 को हिन्दुस्तानी एकेडमी सभागार सिविल लाइन्स प्रयागराज उत्तर प्रदेश में भव्य समारोह में कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि आचार्य ओम नीरव वरिष्ठतम साहित्यकार लखनऊ उत्तर प्रदेश, अध्यक्षता - कुशलेन्द्र श्रीवास्तव वरिष्ठ साहित्यकार गाडरवारा मध्यप्रदेश व अति विशिष्ट अतिथि डॉ शंभु नाथ त्रिपाठी % अंशुल% व शीलधर मिश्र रहे। इस भव्य समारोह में श्याम फतनपुरी - श्याम की गीतिकाए व श्याम की मधुशाला, डॉ कैलाश नाथ मिश्र - महमहाती गीतिकाए, पंकज बुरहानपुरी - तुम होते तो, शिक्षाप्रद कहानियों का संकलन - संपादक सर्वेश कान्त वर्मा % सरल÷ विश्वनाथ त्रिपाठी - राधा माधव, डॉ सतीश चन्द्र मिश्र - यत्र तत्र सर्वत्र व मां की छाया में, डॉ योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु आसपास लघुकथा संग्रह व उद्गार देह मुक्तक संग्रह एवं सोलह नई कहानियां साझा काव्य संग्रह का विमोचन हुआ। डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय प्रयागराज उत्तर प्रदेश के संचालन में सम्मानित किए गए कवि संगम त्रिपाठी को सोमनाथ शुक्ल, विजय शुक्ल, डॉ विजयानन्द, राम लखन गुप्ता, डॉ अजय मालवीय % बहार% इलाहाबादी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जिला खेल परिसर अनूपपुर की सफाई

खिलाड़ियों ने ग्राउंड से गाजर घास की सफाई की और लम्बी कूद के लिए मैदान तैयार किया

अनूपपुर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जिला खेल परिसर अनूपपुर में खिलाड़ियों और अधिकारियों द्वारा सफाई अभियान का आयोजन किया गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, जिला पंचायत सीईओ तन्मय वशिष्ट शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और प्रभारी जिला खेल अधिकारी इसरार मन्सूरी के मार्गदर्शन में इस अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। खिलाड़ियों ने मैदान में गाजर घास की सफाई की और लम्बी कूद प्रतियोगिता के लिए मैदान को तैयार किया। इस पहल का उद्देश्य खेल मैदान को बेहतर और स्वच्छ बनाना था ताकि खिलाड़ियों को अनुकूल वातावरण में अभ्यास का मौका मिल सके। सामूहिक प्रयास से मैदान को साफ-सुथरा किया गया, जिससे मैदान अब लम्बी कूद और अन्य खेलों के लिए पूरी तरह से तैयार हो गया है। इस सफाई अभियान के बाद पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए भगवान शिव के प्रिय वृक्ष %समी% का पौधारोपण किया गया। %समी% का पौधा धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है और इसके रोपण का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण तैयार करना था। इसके साथ ही सफाई कर्मचारी श्री पूरन सिंह श्याम को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, संरक्षक पंकज अग्रवाल, मैकल बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष अशुतोष त्रिपाठी, सचिव रहीश खान, यातायात विभाग से जितेंद्र नरबदिया, रामधनी तिवारी, भगवा पार्टी के जिला महामंत्री वरुण चटर्जी और वरिष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी मो. नईम मंसूरी और एहशानुल हक सहित कई अन्य प्रमुख लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन रामचन्द्र यादव जिला खेल प्रशिक्षक खेल एव युवा कल्याण विभाग अनूपपुर द्वारा किया गया जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मैदान को साफ किया और टीम भावना का परिचय दिया। स्थानीय लोगों ने इस अभियान की सराहना की और इसे सामुदायिक विकास और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सुमित बने भारतीय मजदूर संघ अनूपपुर के जिला मंत्री

अनूपपुर। भारतीय मजदूर संघ जिला अनूपपुर के जिला सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ संचालक राजेंद्र तिवारी ,जिला कार्य व्यवस्थापक हरिशंकर वर्मा एवं भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष शहडोल संभाग प्रभारी परपरी सिंह,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ताराचंद यादव एवं द्वारका मिश्रा,विभाग प्रमुख राजेश सिंह परिहार एवं कोयला खदान संघ हसदेव क्षेत्र,बिजली कर्मचारी संघ, आशा उषा,सफाई मजदूर संघ,ठेका मजदूर संघ,स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ की उपस्थिति में भारतीय मजदूर संघ में सुमित बक्सरिया को अनूपपुर जिले का जिला मंत्री बनाया गया है। रेल सफाई मजदूर संघ के संभागीय अध्यक्ष अजय चौधरी एवं समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

अनूपपुर वार्ड नं.04 में राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम के साथ बच्चों का मनाया गया जन्मदिवस

अनूपपुर। अनूपपुर के महिला एवं बाल विकास परियोजना अनूपपुर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 04 आंगनवाड़ी में सुपरवाइजर दमयंती सिंह तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरोज मिश्रा तथा सहायिका सुनीता राठौर के मार्गदर्शन में माह के चौथे मंगलवार को राष्ट्रीय पोषण माह का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यकर्ता सरोज मिश्रा द्वारा मनाया गया बच्चो का जन्मदिन

वार्ड क्रमांक 04 के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरोज मिश्रा द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी के बच्चो का जन्मदिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया साथ ही उपस्थित वार्ड की महिलाओं को स्थानीय खाद्य पदार्थो से बने मोटे अनाजों,हरी सब्जियां मुनगा,चौरई भाजी खाने के साथ ही साफ सफाई के बारे में जागरूक करने का कार्य किया गया।

सुपरवाइजर दमयंती सिंह ने दी कार्यक्रम की जानकारी

आंगनवाडी वार्ड क्रमांक 04 में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सुपरवाइजर दमयंती सिंह द्वारा महिलाओं को ब्यायज्ञ कि राष्ट्रीय पोषण माह,पोषण और आहार विज्ञान अकादमी द्वारा शुरू किया गया एक वार्षिक अभियान है,इस अभियान का मकसद लोगों को सूचित भोजन विकल्प चुनने और स्वस्थ खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की आदतें विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है,जो कि देश के आंगनवाड़ियों में 01 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा।प्रधानमंत्री राष्ट्रीय पोषण मिशन की शुरुआत 8 मार्च 2018 को हुई थी,जिसका मकसद कुपोषण, बौनापन,और एनीमिया जैसी समस्याओं को कम करना है।साथ ही पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत गांव,ब्लॉक,और ज़िला स्तर पर आउटरीच कार्यक्रम,पहचान अभियान,शिविर और घर घर का दौरा किया जाता है।

जैतहरी जनपद वॉलीबॉल खेल मैदान की कराई गई स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई

जैतहरी। मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग ग्रामीण युवा केंद्र जैतहरी जिला अनूपपुर एवं जिला वालीबाल संघ अनूपपुर के सहयोग तथा जिले के कलेक्टर हर्षल पंचोली पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जिला अनूपपुर इसरार मंसूरी एसडीएम जैतहरी अंजलि द्विवेदी इन सभी वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश में एवं जिला वॉलीबॉल संघ अनूपपुर के चैतन्य मिश्रा के सहयोग से खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड समन्वयक ग्रामीण युवा केंद्र जैतहरी स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर द्वारा दिनांक 24 सितंबर 2024 को जनपद वॉलीबॉल ग्राउंड की साफ सफाई की गई जिला वालीबाल संघ के पदाधिकारी

एवं खिलाड़ियों द्वारा वॉलीबॉल खेल मैदान की सफाई की गई स्वच्छता के क्षेत्र में इस प्रकार कार्यक्रम करवाने के लिए जिला व्हालीवाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने जिले के सभी व्हालीवाल खिलाडियो से यह अग्राह किया है। जिला व्हालीवाल के संरक्षक लक्ष्मण राव अरूण कुमार सिंह आशीष त्रिपाठी पंकज अग्रवाल , जिला वालीबाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह रामखेलावन राठौर उपाध्यक्ष अमित शुक्ला शोभनाथ प्रचेता, विनोद सोनी ,रमेश तिवारी विनोद बिंदेश्वरी पान्डेय सचिव रामचन्द्र यादव कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव सह कोषाध्यक्ष उमेश राय , सहसचिव एवं स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर विकासखंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड जैतहरी दिनेश कुमार सिंह चंदेल, मिथलेश सिह नेताम ,श्रीमती सुमिता शर्मा हरिशंकर यादव सभी पदाधिकारियों के साथ आगे भी स्वच्छता के लिए कार्य करने व समाज को प्रेरित किया जायेगा । इस स्वच्छता कार्यक्रम में अजय मंडलोई सहायक ग्रेड 3 खेल एवं युवा कल्याण विभाग का पूर्ण सहयोग रहा है उपरोक्त समस्त जानकारी जिला वालीवाल संघ के मीडिया प्रभारी संदीप गर्ग ने देते हुए कहा कि स्वच्छता को आगे बढ़ाने के लिए जिला वालीबाल संघ के सभी पदाधिकारी हमेशा तत्पर रहेंगे ।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत जिला वॉलीबॉल संघ अनूपपुर ने किया न्यु राजनगर ग्राउंड की सफाई

अनूपपुर। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जिला वॉलीबॉल संघ अनूपपुर और खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने न्यु राजनगर वॉलीबॉल ग्राउंड की सफाई की। कलेक्टर हर्षल पंचोली, एसपी मोती उर रहमान, जिला पंचायत सीईओ तन्मय वशिष्ट शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देश पर इस सफाई अभियान का आयोजन किया गया। प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी इसरार मंसूरी के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और सभी ने अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के रामचंद्र यादव, जिला वॉलीबॉल संघ के सह सचिव हरिशंकर यादव, स्टेट रेफरी जितेंद्र पनिका, सीनियर खिलाड़ी राजेश श्रीवास्तव, रामजी बिंद, और संत जोसेफ स्कूल के व्यायाम शिक्षक उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने जिले के सभी वॉलीबॉल खिलाड़ियों से ग्राउंड की सफाई अनिवार्य रूप से करने की अपील की। साथ ही जिला वॉलीबॉल संघ के संरक्षक लक्ष्मण राव, अरुण कुमार सिंह, आशीष त्रिपाठी, पंकज अग्रवाल, सिद्धार्थ शिव सिंह, रामखेलावन राठौर, अमित शुक्ला, विनोद विंधेश्वरी प्रसाद पांडेय,शोभनाथ प्रचेता, विनोद सोनी, रमेश सिंह, और अन्य पदाधिकारियों ने भी इस अभियान में सहयोग किया।कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने और भविष्य में भी इस तरह के सफाई अभियानों का आयोजन करने का संकल्प लिया।

बिजुरी सुर्य मंदिर देवी तालाब पर जितिया व्रत मनाने उमड़ी महिलायें

बिजुरी के सुर्य मंदिर देवी तालाब पर जिउतिया पर्व मनाने पहुँची महिलायें।

आज बिजुरी नगर कि महिलायें जिउतिया पर्व मनाने बिजुरी नगर पालिका के देवी तालाब पर भारी संख्या में पहुँची । यह पर्व जिऊतियाद्व्रत जिसे जीवित्पुत्रिका व्रत को जितिया व्रत भी कहा जाता है। हिंदू धर्म में इसे बेहद महत्वपूर्ण और कठिन व्रतों में से एक माना जाता है। इस पर्व में माताएं अपनी संतानों के अच्छे स्वास्थ्य, उज्जवल भविष्य और लंबी आयु के लिए पूरे दिन निर्जला उपवास रखती हैं। इस दिन माताएं भगवान जीमूतवाहन की पूजा करती हैं और अपनी संतानों के लिए आशीर्वाद मांगती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जीवित्पुत्रिका व्रत रखा जाता है। इस साल 25 सितंबर 2024 यानी बुधवार के दिन सुर्य मंदिर देवी तालाब के पुजारी अवध बिहारी तिवारी जी द्वारा जीवित्पुत्रिका व्रत पर पुजा अर्चना कराये जाते है द्य सुर्य सेवा समिति अध्यक्ष विक्रमा सिंह ने कहाँ कि लगभग 40 वर्ष से नगर कि की माता बहने यहाँ जिऊतिया पर्व मनाते आ रही है द्य सुर्य मंदिर देवी तालाब पर साफ़ सफ़ाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन कुमार साहु एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति सहबिन लखन लाल पनिका जी के सहयोग से श्रद्धालुओं को साफ़ सफ़ाई का सुविधा प्राप्त कराये जाते हैं।

शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार।

नर्मदापुरम ,शासकीय विधि महाविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के द्वारा साफ सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एनएसएस प्रभारी श्री शिवाकांत मौर्य के निर्देशन में छात्रों के द्वारा महाविद्यालय परिसर को पॉलिथीन विहीन करने का संकल्प लिया गया।

शासकीय विधि महाविद्यालय में जन भागीदारी समिति की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में दिनांक 20 सितंबर 2024 को अपराह्न 4ः00 बजे जन भागीदारी समिति की प्रथम बैठक का आयोजन माननीय राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया जी माननीय लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी जी एवं माननीय विधायक श्री सीता चरण शर्मा जी की उपस्थिति में संपन्न हुई ।उक्त बैठक में महाविद्यालय के नवीन भवन के निर्माण की स्थिति एवं महाविद्यालय को अतिरिक्त भूमि के आवंटन पर चर्चा की गई तथा भवन निर्माण की कार्यवाही शीघ्र करने हेतु निर्देशित किया गया ।विधि महाविद्यालय में विधिक शिक्षा की गुणवत्ता के उन्नयन हेतु छात्रों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन से सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देशित किया गया ।इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के सुचारू संचालन हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। विधि महाविद्यालय की बैठक में एडीएम श्री डी के सिंह, लोक निर्माण विभाग, स्टेट बैंक एवं नगर पालिका के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के समस्त अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम की एनएसएस इकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाडा का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार, नर्मदापुरम। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम की एनएसएस इकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाडा अंतर्गत प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्षन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने, श्रीमती अनीता त्रिपाठी के नेतृत्व में कैंपस स्वछता कैंपस एंबेसडर प्रेरणा पाल एवं मुस्कान सोलंकी के सहयोग से जिला संगठक से डी.एस. खत्री डॉ. अमिताभ पांडे एवं समस्त स्वयंसेविकाओं द्वारा एवं विज्ञान संकाय की कक्षा एवं कैंटीन के समक्ष गाजर घास का उन्मूलन तथा सतत् स्वच्छता अभियान अंतर्गत कचरा एकत्रित कर निस्तारण किया गया। स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान अंतर्गत स्वच्छता कार्य किया गया एवं छात्राओं को भी ज्वाइन एनएसएस में जोड़ा गया तथा हम सबने यह ठाना है गंदगी दूर भगाना है, मन में है एक ही सपना स्वच्छ भारत है अपना नारे लगाकर छात्राओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. रागिनी सिंकरवार, डॉ. अनिल रजक एवं लगभग 54 स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

एनएसएस स्थापना दिवस के 55वीं वर्षगाँठ मनाया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम में 24.09.2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना की 55 वी वर्षगाँठ अत्यंत गरिमामय एवं उत्साह पूर्ण वातावरण में प्राचार्य डॉ कामिनी जैन के मार्गदर्शन व कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चाचाने एवं श्रीमती अनीता त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित किया गया है मंच पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कामिनी जैन विशेष अतिथि अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्रीमती नीतू यादव एवं विधायक प्रतिनिधि श्रीमती नैना सोनी ने अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान की, सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है इस अवसर पर संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रेमकांत कटंगकार एवं संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई है समस्त अतिथियों का स्वागत एन एस एस द्वारा तिलक एवं पौधा भेट कर किया गया, कार्यक्रम अधिकारी अनीता त्रिपाठी द्वारा एस एस का वार्षिक प्रतिवेदन का वॉचन किया गया प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि छात्राओं के द्वारा विभिन्न जन जन जागरूकता हेतु किये गये कार्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना ने एक नई पहचान स्थापित की है राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक दायित्व एवं अनुशासन के साथ रासेयो छात्राओं के व्यक्तित्व का विकास कर राष्ट्र निर्माण में महती भूमिका अदा कर रहा है, राष्ट्रीय सेवा योजना छात्राओं में सामाजिक और नागरिक ज़िम्मेदारी की भावना विकसित करने वाला मंच है छात्र समुदाय से जोड़कर उनकी समस्याओं को पहचान कर समाधान करने से उसमें निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है इसलिए निरंतर कर्तव्य के प्रति सजग रह कर राष्ट्रीय हित में कार्य करना चाहिए, विशेष अतिथि श्रीमती नीतू यादव ने छात्राओं को मार्गदर्शन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजनाद्वारा ही छात्राओं में एक श्रेष्ठ नागरिक एवं मानवता के गुणों का विकास संभव है राष्ट्रीय युवा शक्ति सही दिशा में कार्य कर रही है तथा महाविद्यालय में निरंतर नवाचार हो रहा है, विधायक प्रतिनिधि श्रीमती नैना सोनी ने छात्राओं को समाज देश के समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत करने कहा उन्होंने एनएसएस के उद्देश्य को आत्मसात करने पर बल दिया, महाविद्यालय में सतत रूप से अपनी सेवा देने वाले महाविद्यालय के सफ़ाई कर्मचारियों का प्राचार्य एवं प्राचार्य एवं अतिथियों द्वारा नवीन वस्त्र देकर सम्मानित किया। एन एस एस दिवस के अवसर पर छात्राओं के द्वारा विभिन्न राज्यों की लोकगीत एवं लोकनृत्य की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई है साथ ही वरिष्ठ स्वयं सेविकाओं द्वारा नई छात्राओं के समक्ष अपने अनुभवों को भी साझा किया कार्यक्रम का सफल संचालन स्टेट कैंप पर कुमारी पूजा गोस्वामी एवं प्रियांशी ग़ौर द्वारा किया गया है तथा आभार प्रेरणा पाल द्वारा किया गया था इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त परिवार एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

सरस्वती शिशु मन्दिर दे रहे हैं गुणवत्ता युक्त शिक्षाः रघुवंशी

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

देवरी। खिरेंटी विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा मार्गदर्शित भोजपुर ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला रायसेन द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मन्दिर खिरेंटी आलीबाडा तहसील उदयपुरा चयनित विद्यालय का प्रांतीय योजनानुसार शैक्षिक अवलोकन किया गया। छात्रों एवं आचार्य परिवार को संबोधित करते हुए प्रांतीय उपाध्यक्ष हरनाम सिंह रघुवंशी ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालय समाज में गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने का काम कर रहे हैं। हमारे विद्यालयों में समरसता संस्कृति स्वावलंबन संस्कार युक्त शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी जाती है। जिला प्रमुख राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि विद्या भारती ने इस को शैक्षिक गुणवत्ता वर्ष घोषित किया गया। आप पं. दीनदयाल जी उपाध्याय की जयंती से 02 अक्टूबर तक स्वदेशी सप्ताह सभी विद्यालयों में मनाया जाएगा। इसमें स्व भाषा,स्व विचार, स्वावलंबन,स्ववेशभूषा आदि स्वदेशी जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। शिशु भारती, बाल भारती, कन्या भारती और ईको क्लब की बैठक आयोजित हुई। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण किया।इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारी, जिला उपाध्यक्ष ब्रजेन्द्र सिंह रघुवंशी विद्यालय संयोजक, प्रधानाचार्य, आचार्य परिवार एवं भैया बहिन उपस्थित रहे।

उदयपुरा निवासी कमल मेहरा ने फैक्ट्री क्वार्टर में फंदे पर लटक कर दी जान, सुसाइड नोट में पुलिस पर लगाया आरोप।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। सोमवार दिनांक 23/09/2024 को करीबन रात 12 बजे तामोट (औबेदुल्लागंज) स्थित सागर कंपनी में एक युवक ने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली युवक ने सुसाइड नोट लिखा है की कुछ लोगों ने मेरी मौत का ऐसा जाल बिछाया है कि मैं चाह कर भी बच नहीं सका नोट में लिखा है कि उसने पुलिस से बार-बार शिकायत की लेकिन पुलिस ने नहीं सुनी। 24 वर्षीय कमल सिंह मेहरा पिता भगवान सिंह मेहरा निवासी वार्ड नंबर 7 होलीपुरा उदयपुरा पिछले कुछ सालों से सागर कंपनी में ÷सीखो कमाओ÷ योजना के तहत चयन होने पर धागा फैक्ट्री में काम करता था। मौत से पहले उसने सुसाइड नोट लिखा वह सुसाइड नोट सोशल मीडिया और सभी करीबी दोस्तों को शेयर भी किया था। सुसाइड नोट में लिखा था कि मैं कमल सिंह मेहरा पूरे होशो हवास में हूं और पूर्ण होश हवास में यह बयान देता हूं कि मैं आज घटिया किस्म के लोगों के चंगुल में पूरी तरीके से फस गया हूं इन लोगों के नाम शिव कुमारी ठाकुर, मोनू पटवा छातेर, मनीष मेहरा मडिया है इन लोगों ने मेरी मौत का ऐसा जाल बिछाया है कि मैं चाह कर भी इस चाल से नहीं बच पाया इसकी शिकायत मैंने पुलिस थाना उदयपुरा तथा एसपी रायसेन को भी दी थी तथा सहायता मांगी लेकिन उदयपुरा पुलिस थाना प्रभारी पुलिस इंस्पेक्टर राम सिंह ठाकुर तथा एसपी रायसेन ने इन लोगों से रिश्वत लेकर उन्हीं का पक्ष रखा तथा मेरी बार-बार पुलिस थाना प्रभारी

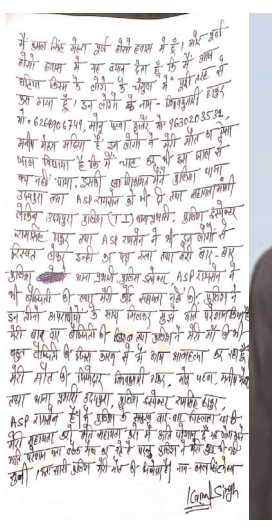

पुलिस इंस्पेक्टर, एसपी रायसेन ने भी बेज्जती की तथा मेरी कोई सहायता नहीं की पुलिस ने इन तीनों अपराधियों के साथ मिलकर मुझे आती परेशान किया है। मेरी बार-बार बेज्जती की तथा पुलिस ने मेरी मां की भी बहुत बेज्जती की जिस कारण से मैं आज आत्महत्या कर रहा हूं मेरी मौत के जिम्मेदार शिव कुमारी ठाकुर, मोनू पटवा मनीष मेहरा तथा थाना प्रभारी महोदय उदयपुरा, पुलिस इंस्पेक्टर राम सिंह ठाकुर एएसपी रायसेन है मैं पुलिस के सम्मुख बार-बार चिल्लाता रहा मेरी सहायता करो मेरी सहायता करो मैं अति परेशान हूं यह लोग मुझे अति परेशान तथा ब्लैकमेल कर रहे हैं परंतु पुलिस ने मेरी कुछ भी नहीं सुनी अतः सारी पुलिस मेरी मौत की जिम्मेदार है।

मेरा अपना : आत्महत्या मुक्त हो भारत अपना

सितंबर 2024, भावना मंगलमुखी, मुंबई

साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2003 में ही 10 सितंबर को आत्महत्या रोकथाम दिवस के रूप में घोषित किया गया था लेकिन आत्महत्या के मामलों में निरंतर हो रही असाधारण वृद्धि को देखते द्धह्वह् विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा आत्महत्या प्रतिबंधक सप्ताह और माह का अभियान चलाया जाने लगा।

आत्महत्या यानि स्वप्रेरित व स्वैच्छिक योजनानुसार स्वमृत्यु निमंत्रण।

वैसे एक बात मैं पहले ही स्पष्ट कर दूं कि मैं दलाल व बिकाऊ पत्रकारों व टीवी चैनलों की भांति बड़े- बड़े वीवीआईपी लोगों की विशेष फिक्र कभी नहीं करती फिर भी आजकल प्रतिदिन बढ़ रहे आत्महत्या के ग्राफ व विशेषकर नवोदय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नीट और यूपीएससी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में आत्महत्या के निरंतर बढ़ रहे मामलों ने मुझे कुछ सोचने व लिखने हेतु मजबूर कर दिया।

चूंकि किसी भी राष्ट्र हेतु मानव संसाधन यथा राष्ट्र के महापुरुष उस राष्ट्र के प्रेरणास्रोत वरिष्ठ नागरिक व गुरूजन मार्गदर्शक, युवा प्राण आधारभूत स्तंभ व क्रांति का जनक तथा बच्चे भविष्य निर्माता होते हैं। ये ही किसी राष्ट्र की अमूल्य निधि व असीमित ऊर्जा का स्त्रोत तथा विकास की संभावनाओं तथा संकल्प को सिद्धि के शिखर तक पहुंचाने वाला प्रणेता व कर्ता हैं। लेकिन विगत कुछ वर्षों में इन सभी वर्गों में आत्महत्या के बढ़ते ग्राफ ने दुनिया के समस्त बुद्धिजीवियों को सोचने हेतु विवश व मजबूर कर दिया है।

चूंकि मैंने भी बहुत- सी विपरीत परिस्थितियां देखी है और इसप्रकार के विचारों की मनोदशा और उनसे उभरने का वास्तविक ज्ञान व अनुभव भी ले चुकी हूं। इसलिए कई बार लोगों को हौसला दिलाने के लिए मैं मेरी विकट पारिवारिक परिस्थिति व जीवन संघर्ष की कहानी भी बताती हूं ताकि अन्य लोग भी मेरी तरह विपरीत परिस्थितियों पर विजय पाकर आत्महत्या जैसे कुत्सित प्रयासों से अपने आपको दूर रख सके लेकिन यहां आलेख की शब्द सीमा को ध्यान में रखकर मेरी विस्तृत संघर्ष कहानी, जिस पर एक फिल्म भी बन सकती है, को साझा कर पाने में असमर्थ पा रही हूं।

दोस्तों विकट पारिवारिक परिस्थिति में मेरे अंदर भी कई बार आत्महत्या जैसे बुरे ख्याल आए थे लेकिन एक ही बात सोचती थी कि मैं भीख मांगकर भी जिंदा रहूंगी तो कभी न कभी तो अच्छे दिन भी आएंगे क्योंकि मेरी माताजी की सीख थी - % दिन बुरे हो सकते हैं संपूर्ण जिंदगी नहीं।%

चूंकि मैंने मेरी छोटी-सी व्यवसायिक जिंदगी में बारह साल में लगभग तैंतीस घाट का पानी पीया था और बहुत सी पुस्तकें भी पढ़ी थी व कथाएं भी सुनी थी व जाना था कि कैसे----

भगवान महावीर, करुणासागर बुद्ध, सम्राट अशोक, कबीरदासजी, गुरुनानक देवजी जैसे महापुरुषों के जीवन में भी उतार - चढाव आए थे।

कैसे समय परिवर्तन के साथ एक चोर लूटेरा डाकू अंगुलिमाल सदाचारी बन गया था और कैसे एक महामूर्ख कहलाने वाला कालीदास संस्कृत का प्रकांड पंडित बन गया।

आधुनिक भारत में भी राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले, क्रांतिज्योति सावित्री बाई फुले, विश्वरत्न डॉ बाबा साहेब अंबेडकर, आधुनिक भारत के मिसाइल मैन? एपीजे अब्दुल कलाम, डॉ मनमोहन सिंह की परिस्थितियां भी किसी चुनौती से कम नहीं थी।

आखिर किसी का धैर्य, आत्मविश्वास, संकल्प व सकारात्मक प्रयास ही उसे एक दिन अवश्य सिद्धि तक पहुंचाता है ।

दूसरी बात मैं यह भी जानती थी कि अपना जन्म किस परिवार में और किन परिस्थितियों में होगा, यह अपने पूर्वजन्मों के प्रारब्ध से निर्धारित होता है और भविष्य वर्तमान के कर्मों से। और प्रारब्ध का फल न भुगतने पर वह सात जन्म भी पीछा नहीं छोड़ता। इस संदर्भ में मुझे एक कहानी भी याद आ जाती है---

एक बार एक शिष्य बारहवीं कक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है, वह अपने गुरू के समक्ष निराश होकर आत्महत्या का प्रस्ताव रखता है। गुरू बोले बेटा आत्महत्या के पश्चात् भी तेरा पुनः जन्म होगा और तुझे पहली से लगाकर बारहवीं तक दोबारा पढ़ना पड़ेगा। इससे अच्छा है तू सिर्फ इस बार बारहवीं वापस पढ़ लें।

गुरूजी की बात सुनकर शिष्य ने अपनी आत्महत्या का निर्णय वापस ले लिया।

वैसे पहले के जमाने में लोगों का जीवन काफी दरिद्रतायुक्त, अभावग्रस्त व कष्टपूर्ण था फिर भी वे आत्महत्या जैसा कुत्सित व आत्मघाती प्रयास नहीं करते थे लेकिन आजकल बड़े - बड़े सफल फिल्मी स्टार, उद्योगपति, अफसर और यहां तक कि हमारी सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी पुलिस व सेना के जवान भी इससे अछूते नहीं हैं। अब तो लगता है मानों जिंदगी की कोई कीमत ही नहीं रही।

और इसमें सबसे प्रमुख कारण अवसाद (डिप्रेशन) है, जिसे सरल शब्दों में चिंता टेंशन भी कहा जाता है। आजकल हमको सुनने में आता है कि लोग अवसाद के कारण मौत को गले लगाने में तनिक भी आगे-पीछे सोचे-समझे बिना ही जिंदगी का मोह त्याग देते हैं और आत्महत्या जैसा कायरतापूर्ण कदम उठा लेते हैं।

आखिर अवसाद है क्या ?

अवसाद एक मानसिक तनाव है जो व्यक्ति को हद से भी ज्यादा हतोत्साहित कर देता है और व्यक्ति यह समझ लेता है कि उसके लिए जीवन को सफल बनाने व चमकाने के सारे विकल्प बंद हो चुके हैं और उसके जीने का कोई सार नहीं है। इसलिए उसे इस दुनिया में एक पल भी नहीं रहना चाहिए और वह अपनी मृत्यु की सुनियोजित योजना बनाकर अपनी इहलीला समाप्त कर लेता है।

अब प्रश्न यह है कि अवसाद के कारण क्या है?

अवसाद का सर्वप्रथम व सर्वप्रमुख कारण तो यह है कि व्यक्ति अपने आपको पहचान नहीं पाता है कि मनुष्य जीवन चौरासी लाख योनियों में सर्वश्रेष्ठ व दुर्लभ है। उसके पास सोचने-समझने और अपनी समस्या का समाधान निकालने का विवेक, बुद्धि व क्षमता है, जो अन्य प्राणियों में नहीं है। फिर भी वह अपनी अंतर्निहित असीम शक्तियों व अपार ऊर्जा को पहचान व अनुभव नहीं कर पाता है और किंकर्त्तव्यविमूढ़ हो जाता है कि उसे अपने जीवन में क्या करना है और क्या नहीं ?

हालांकि मैं यह भी मानती हूं कि जीवन में कई बार ऐसी विषम परिस्थितियां आ जाती है जिसमें इंसान टूट जाता है लेकिन कई बार प्रतिकूल परिस्थितियां व्यक्ति हेतु वरदान भी बन जाती है। कहा भी गया है कि इंसान विषम परिस्थितियों में या तो बिखर जाता है या फिर जो अपने आपको बिखरने से बचा लेता है, वह निखर भी जाता है, क्योंकि परिस्थितियों की पाठशाला हमें वह सिखाती है जो कोई विद्यालय या विश्वविद्यालय भी नहीं सीखा सकता।

कहावत है कि लोहा या सोना भी जितना गर्म करके पिघलाया जाता है, वह उतना शुद्ध व उपयोगी बनता है। इसी प्रकार हीरा भी जितना घिसता है, उतना अधिक चमक व कीमत पाता है और एक पत्थर भी हथोड़े की चोट सहते-सहते मूर्ति का स्वरूप पा जाता है।

उसीप्रकार इंसान भी विपरीत परिस्थितियों में धैर्य व साहस से इतना मजबूत बन जाता है कि वह इतिहास रच लेता है और साधारण मनुष्य से असाधारण महापुरुष की श्रेणी में शुमार हो जाता है।

अवसाद का द्वितीय कारण यह है कि हम जीवन में सारे शौक पूर्ण करना चाहते हैं, और वह भी अल्प परिश्रम के साथ ही समय से पूर्व ही। यही तनाव का बहुत बड़ा कारण है।

एक विद्यार्थी ने लक्ष्य बनाया कि उसे बहुत बड़ा अफसर बनना है, उसने अपने निर्धारित लक्ष्य को पाने हेतु भरपूर प्रयास करने का संकल्प किया, लेकिन जब वह अपनी तुलना अपने आस-पास के मित्रों से करता है, वह उनके पास कुछ फैशन की चीजें (स्मार्टफोन,महंगी घड़ी, कपड़े इत्यादि)देखता है, तो वह उनकी तरफ आकर्षित हो जाता है और वह भी उनकी मौज - मस्ती में उलझ जाता है और लक्ष्य को भूलकर प्रयत्न करना छोड़ देता है। फिर अंत में जब सफलता हाथ नहीं लगती, तब वह अवसादग्रस्त हो जाता है।

अवसाद का तृतीय कारण माता - पिता की महत्वकांक्षा भी है। बच्चों की इच्छा, रूचि व क्षमता के विपरीत वे उसे सिर्फ डाक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनाना चाहते हैं, जबकि बच्चा मान लो खिलाड़ी, नेता या अभिनेता बनना चाह रहा हो। अब आप ही सोचिए यदि सचिन तेंदुलकर के माता-पिता यदि सोचते कि सचिन तेंदुलकर डाक्टर या इंजीनियर ही बनने चाहिए थे तो शायद वे क्रिकेटर भी नहीं बन पाते लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें सदैव क्रिकेट खेलने दिया और उनके उसी में आगे बढ़ने में मदद की, परिणाम स्वरूप सचिन तेंदुलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी के रूप में मशहूर हो गए।

आजकल आत्महत्या के बढ़ते ग्राफ में नाना प्रकार के विविध कारण जिम्मेदार हैं,जो निम्नलिखित हैं----

* बच्चों पर प्राथमिक व माध्यमिक कक्षाओं से ही संस्कारों के बजाय अंकों व प्रतिशत का दबाव।
* माता-पिता व अभिभावकों द्वारा बच्चों की रूचि व क्षमता के बजाय अपनी मनमानी के विषय थोपना।
* दरिद्रता व बेरोजगारी की स्थिति में अपने जीवन स्तर की तुलना दूसरों से करके निराश होना।
* भौतिकवादी महत्त्वकांक्षाओं को पूर्ण न कर पाना।
* सामाजिक कुरीतियों व खर्चीली परंपराओं का दबाव।
* नशे की लत व धन की बर्बादी।
* नशा व उनसे उत्पन्न गंभीर बीमारियां।
* दीर्घकाल पर्यंत बीमारीग्रस्त रहना।
* प्यार में धोखा व संबंधों में दरार पड़ना।
* विवाह पूर्व संबंध व इज्जत दांव पर लगना।
* अवैध? लैंगिक संबंध व गुप्तरोगों की आशंका।
* दहेज या उल्टे दहेज की कुरीतियां।
* घरेलु या सामाजिक हिंसा व लड़ाई - झगड़े।
* सामाजिक प्रताड़ना या अपमान।
* माता-पिता या संतान द्वारा एक-दूसरे को भावनात्मक कष्ट या शारीरिक यातना देना।
* झूठे आरोप में फंसाया जाना।
* अपेक्षानुरूप नौकरी न मिलना।
* व्यापार में घाटा हो जाना।
* किसानों के संदर्भ में मानसून की विफलता, बाढ़-अकाल या सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं भी प्रमुख कारण होती हैं।
* कर्ज लेना व समय पर न लौटा पाना।
* पैसे कमाने का सस्ता और शॉर्टकट माध्यम ऑनलाइन गेम और जुआ खेलना।

जीवन में अवसाद न आएं इसलिए-----

* अपने आपको सदैव सकारात्मक विचारों और सकारात्मक कार्यों में व्यस्त रखें क्योंकि कहा भी गया है - ÷खाली दिमाग शैतान का घर।÷
* सकारात्मक लोगों की संगति करें क्योंकि नकारात्मक संगति सदैव? गलत दिशा व गलत कार्यों की ओर अग्रसर करती है। इससे पश्चाताप के सिवाय कुछ भी हासिल नहीं हो सकता।
* अपने आप पर अपनी क्षमताओं पर विश्वास करो।
* सदैव आय से कम खर्च करो व खर्चा बढ़ाने से पहले आय बढ़ाने का प्रयास करो।
* सदैव कर्ज से परहेज़ करो अथवा समय पर लौटाने की चेष्टा करो।
* महत्त्वाकांक्षाओं के साथ-साथ क्षमता व कौशल को भी विकसित करो।
* सदैव? कर्म के सिद्धान्त पर विश्वास करो तथा सदैव सच्चाई, अच्छाई, नेकी व ईमानदारी के साथ रहो।
* बहसबाजी व झूठ का सहारा मत लो क्योंकि एक झूठ को छिपाने हेतु हजार झूठ बोलने पड़ते हैं, वहीं अनजाने में निकला एक सच हज़ार झूठ पर पानी फेर देता है।
* सभी प्रकार के व्यसनों से दूर ही रहे।
* सभी मनुष्यों से सात्त्विक प्रेम करें लेकिन प्यार में पागल न बने।
* किसी से बदला लेने के अपराध बोध को हावी न होने दें।
* जुआ और ऑनलाइन गेम से दूर रहे।

अब तो कम से मैं सिर्फ़ आशा और विश्वास के साथ ही नहीं, अपितु दावे के साथ कह सकती हूं कि अगर कोई आत्महत्या करने जा रहा हो और वह मेरे से संपर्क कर ले तो मैं न सिर्फ उसको उसके इस आत्मघाती कदम से बचा सकती हूं बल्कि उसके जीवन में भी उम्मीद का दीया जलाकर आशा की रोशनी दिखा सकती हूं।

भावना मंगलमुखी, मुंबई
संपर्क - 7249377116

और आम रास्तों पर दिखाई पड़ रहे झुंड, वन विभाग ने पीछा न करने की अपील

• बैतूल

आमला. नगर के रिहायशी इलाकों में सियारों के झुंड की चहलकदमी से दहशत का माहौल है। ये सियार कॉलोनियों में घूम रहे हैं, जबकि आमला के मुख्य मार्ग पर भी कई बार आने जाने वालों से उनका सामना हुआ है। वन विभाग इसे सामान्य घटनाक्रम बता रहा है। विभाग ने खुले में भोजन न डालने और उनका पीछा न करने की अपील की है।

समाजसेवी मनोज विश्वकर्मा के मुताबिक सियारों का यह झुंड मुख्य मार्गों के आसपास दिखाई दे रहा है। कई बार यह आने जाने वालों के रास्ते में खड़ा हो जाता है। जिससे लोगों में डर का माहौल है। यह पास में ही झाड़ियों में रहते हैं। रात करीब दस बजे से इनकी चहलकदमी बढ़ जाती है। इस बारे में वन विभाग को भी सूचना दी गई है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी उपाय नहीं किया गया है।

इधर वन विभाग के रेंजर आरएस उईके के मुताबिक सूचना मिलने के बाद हमारी टीम लगातार गश्त कर रही है। यह सियार है। अक्सर लोग बाहर खाना डाल देते

है। ये उन्हें खाने आते हैं। लोग उनके पीछे टॉर्च लेकर दौड़ रहे हैं। ऐसे में वन्य प्राणी हिंसक हो जाता। बाइक लेकर पीछा करते। वे इन्हें भड़काने की कोशिश कर रहे। लोगो से अपील है की वे इनका पीछा न करे।

इंसानों के लिए हो सकते हैं खतरनाक.....

सियार खुले इलाकों में रहते हैं। वे रात में घूमने वाले जानवर हैं जो आमतौर पर दिन में झाड़ियों या झाड़ियों में छिप जाते हैं और शाम को शिकार करने के लिए निकल पड़ते हैं। वे अकेले, जोड़े में या झुंड में रहते हैं और जो भी छोटे जानवर, पौधे या सड़ा हुआ मांस उपलब्ध होता है, उसे खाते हैं। भेड़िया और सियार एक ही वंश के हैं लेकिन दोनों बिल्कुल अलग-अलग प्रजातियां हैं।

सियार कैनाइन परिवार की एक छोटी से मध्यम आकार की प्रजाति है। लगभग चार प्रजातियां हैं जिन्हें सियार कहा जाता है। साइड-स्ट्राइप्ड, गोल्डन, सिमीयन और ब्लैक-बैक्ड सियार ये चार प्रजातियां हैं। सियार आमतौर पर इंसानों से बचते हैं।

हालांकि, अगर वे खुद को खतरे में महसूस करें तो काट सकते हैं। जंगली जानवरों से दूरी बनाए रखना ही सबसे अच्छा उपाय है।

सहित कई योजनाओं में भ्रष्टाचार

राशन कार्ड, मनरेगा और चेक डेम योजना में अनियमितता, उपसरपंच और रोजगार सहायक पर गंभीर आरोप

ग्राम बाटलाकला में योजनाओं के नाम पर अवैध आहरण, जनसुनवाई में ग्रामीणों ने किया खुलासा

• बैतूल

बैतूल। जनपद पंचायत भीमपुर अन्तर्गत आने वाले ग्राम बाटलाकला में प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, मनरेगा योजना और चेक डेम योजना में भ्रष्टाचार की गंभीर शिकायत कलेक्टर की।जनसुनवाई में पहुंची है। आवेदक नंदकिशोर बामने और सदाशिव बामने ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत के उपसरपंच राहुल करछले और रोजगार सहायक द्वारा इन योजनाओं में लाखों रुपये का भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिससे अवैध रूप से सरकारी धन का आहरण हो रहा है।

शिकायत के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना की मजदूरी की राशि भी काडमी पति प्यारेलाल के खाते में डालकर निकाली जा रही है। इसी तरह, मनरेगा योजना के तहत मजदूरी की राशि उपसरपंच राहुल करछले के परिवार के खातों में डाली जा रही है, जिससे अन्य गरीब मजदूरों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। आवेदकों ने बताया कि राशन कार्ड और चेक डेम योजना में भी फर्जीवाड़ा किया गया है, जिसमें फर्जी हस्ताक्षर और अन्य अनियमितताए शामिल हैं।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया कि पटवारी धन्नू भूमरकर ने अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड उपसरपंच राहुल करछले को सौंप दिया, जिससे राजस्व योजनाओं और गरीबी रेखा के राशन कार्ड फर्जी तरीके से बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, जाति प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों में भी फर्जी हस्ताक्षर कर, लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।

ग्रामवासियों ने इन सभी अनियमितताओं की जांच की मांग की है और उपसरपंच व रोजगार सहायक से भ्रष्टाचार की राशि वसूल कर इसे ग्राम विकास के लिए पुनः उपयोग में लाने की अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला बहुत ही गंभीर है और प्रशासन को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। आवेदकों ने यह भी कहा कि इन योजनाओं के लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचने चाहिए, ताकि वे सही तरीके से इनका लाभ उठा सकें।

Nifty पहली बार 26000 के पार

बाजार में शानदारी तेजी के बावजूद निवेशकों को हुआ नुकसान

बिजनेस डेस्क: शेयर बाजार में आज (25 सितंबर) आखिरी घंटे जबरदस्त तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स-निफ्टी दोनों नए रिकॉर्ड हाई पर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स अंक 255.83 उछलकर 85,169.87 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 63.75 अंकों की तेजी के साथ 26,004.15 अंक पर पहुंच गया। पूरे दिन हरे और लाल निशान में झुलते हुए बाजार में आखिरी घंटे खरीदारी लौटी जिसके दम पर दोनों इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में गिरावट के चलते शेयर बाजार के मार्केट कैप में गिरावट देखने को मिली है। जिस कारण निवेशकों को 83,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

बाजार में तेजी पर गिरा मार्केट कैप

सेंसेक्स-निफ्टी के शानदार तेजी के साथ बंद होने के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में गिरावट के चलते शेयर बाजार के मार्केट कैप में गिरावट देखने को मिली है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 475.24 लाख करोड़ रुपए पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 476.07 लाख करोड़ रुपए पर क्लोज हुआ था यानि आज के सेशन में मार्केट कैप में 83,000 करोड़ रुपए की कमी आई है।

इन 10 शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी

शेयर बाजार में सबसे ज्यादा तेजी वाले 10 शेयरों में मिड कैप स?टॉक?स- जी इंटरटेनमेंट (5.73 प्रतिशत), Tata Communication (5.18 प्रतिशत), गोदरेज प्रॉपर्टीज के शेयर (3.90 फीसदी), स?मॉल कैप- Five Star Business (4.60त्न), Piramil Pharma के शेयर (3.97 प्रतिशत), सीएट के शेयर (3.72 प्रतिशत), लार्ज कैप- पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन (3.91 प्रतिशत), एक्सिस बैंक के शेयर (2.30 प्रतिशत), वेदांता (2.05 प्रतिशत) और आईसीआईसीआई लैम्बोर्ड के शेयर (1.89 फीसदी) शामिल रहे।

101 शेयरों में अपर सर्किट

बुधवार को मार्केट बंद होने तक निफ्टी के 101 शेयर अपर सर्किट पर देखे गए, जबकि 76 शेयरों में लोअर सर्किट दिखाई दिया। इसके अलावा, 135 शेयर 52 सप्ताह के हाई लेवल पर थे और 34 शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर थे।

एसएंडपी ने भारत का वृद्धि अनुमान 6.8% पर बरकरार रखा

बिजनेस डेस्क: एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.8 प्रतिशत पर स्थिर रखा है और कहा कि उसे उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती शुरू करेगा। एशिया प्रशांत क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य पर जारी रिपोर्ट में एसएंडपी ने अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भी भारत की त्नष्ठक्कवृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत पर बनाए रखा है। एजेंसी ने कहा कि भारत में मजबूत आर्थिक वृद्धि के चलते आरबीआई मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकेगा। एसएंडपी ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में ऊंची ब्याज दरों के कारण शहरी मांग प्रभावित हुई और जीडीपी वृद्धि की रफ्तार थोड़ी धीमी रही। हालांकि, यह अनुमानित 6.8 प्रतिशत वृद्धि दर के अनुरूप है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। एसएंडपी ने कहा कि वह आरबीआई से अक्टूबर में दरों में कटौती की उम्मीद करता है और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान दो बार ब्याज दरों में कमी की संभावना है। एजेंसी का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में औसत मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहेगी। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को दोनों तरफ दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है।

सोने-चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी

मुंबई। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में कटौती के संकेत से सोने की कीमतों में तेजी देखी जा रही है, जो शेयर बाजारों की तुलना में अधिक मुनाफा दे रहा है। पिछले दो वर्षों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें 60त्न तक बढ़ी हैं, जबकि एसएंडपी 500 सूचकांक में 47.3त्न और डाऊ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में 28.5त्न की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसी अवधि में बीएसई सेंसेक्स में 39.8त्न की तेजी आई है। मजबूत हाजिर मांग और सटोरियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली के चलते मंगलवार को वायदा बाजार में सोने की कीमतों में उछाल देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (स्ष्टङ्ग) में अक्टूबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 149 रुपये, यानी 0.2 प्रतिशत बढ़कर 74,444 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। इस अनुबंध में कुल 9,904 लॉट का कारोबार हुआ, जो सोने की बढ़ती मांग को दर्शाता है।

2024 में सोने का प्रदर्शन

वर्ष 2024 में भी सोने ने शेयर बाजार की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। इस साल सोने की कीमत में 26.8त्न की वृद्धि हुई है, जबकि भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक में 17.1त्न की तेजी दर्ज की गई है। डाऊ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज ने इस साल अब तक 11.6त्न की बढ़त हासिल की है।

बॉन्ड यील्ड में गिरावट और सोने की कीमतों में वृद्धि

Play Videoब्याज दरों में कटौती के संकेत से अमेरिका में बॉन्ड यील्ड तेजी से गिरी, जिससे सोने की कीमतों में तेजी आई है। 10 साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की यील्ड, जो अक्टूबर 2023 में 4.93त्न थी, अब 120 आधार अंक घटकर 3.74त्न पर आ गई है। भारत में भी 10 साल की सरकारी बॉन्ड यील्ड पिछले एक साल में 50 आधार अंक और इस साल अब तक करीब 30 आधार अंक घटी है।

वैश्विक केंद्रीय बैंकों का रुख

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने चार साल बाद पहली बार पिछले हफ्ते ब्याज दरों में कटौती की, जिससे वैश्विक आर्थिक बाजारों में दरें घटने का सिलसिला शुरू होने की पुष्टि हुई। इससे पहले यूरोपियन सेंट्रल बैंक (ECB) ने भी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती की थी।

सोने की मांग और बढ़त

गोल्डमैन सैक्स रिसर्च के अनुसार, फेडरल रिजर्व की कटौती के बाद सोने की कीमतों में और वृद्धि की उम्मीद है, क्योंकि उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद बढ़ा सकते हैं। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के चलते सोना एक सुरक्षित निवेश बना हुआ है।

जापान के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर को 0.25% पर स्थिर रखा

बिजनेस डेस्क: जापान के केंद्रीय बैंक (बैंक ऑफ जापान) ने शुक्रवार को अपनी दो दिवसीय बैठक के बाद अपनी प्रमुख ब्याज दर को 0.25त्न पर स्थिर रखा, जो 2008 के बाद से सबसे ऊंची दर है। कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्रीय बैंक ने लंबे समय से अपनाई गई बेहद आसान मौद्रिक नीति को सामान्य करने के प्रयास में यह कदम उठाया है ताकि देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान न पहुंचे।

चीन छोड़ रहीं अमेरिकी कंपनियां, भारत में करेंगी लाखों करोड़ का निवेश

बिजनेस डेस्क: अमेरिका-चीन में लंबे समय से ट्रेड वॉर चलती आ रही है। जिस कारण दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव चल रहा है, जो अमेरिका और चीन के कारोबारी संबंधों को प्रभावित कर रहा है। चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती के दौर से गुजर रही है, जिससे विदेशी कंपनियों के लिए वहां व्यापार करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। कई अमेरिकी कंपनियां अब चीन से बाहर निकलने और भारत में निवेश करने पर विचार कर रही हैं। उन्हें चीन के बाद सबसे उपयुक्त देश भारत लग रहा है। यूएस चैम्बर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 15 अमेरिकी कंपनियां भारत को अपना नया घर बना सकती हैं। ये कंपनियां लाखों करोड़ रुपए का निवेश लेकर आएंगी। इससे भारत में न सिर्फ विदेशी निवेश बढ़ेगा बल्कि लाखों रोजगार भी पैदा होने की पूरी संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कंपनियों में चीन से बाहर निकलने की इच्छा तेज होती जा रही है। लगभग 50 कंपनियां इस बारे में अपना मन बना चुकी हैं।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)